सभी योजनाओं में गंगा जल आपूर्ति सबसे अलग : मंत्री

- मुख्यमंत्री ने बिहार के वर्तमान के साथ-साथ भविष्य का भी ध्यान रखा
- 'बिहार में पेयजल संकट वाले क्षेत्रों के लिए गंगाजल आपूर्ति योजना' पर चर्चा

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। जल संसाधन मंत्री संजय कुमार झा ने कहा कि आजादी के बाद से बिहार में विकास की कई परियोजनाओं पर काम हुआ, लेकिन गंगा जल आपूर्ति योजना उन सबसे अलग और अनूठी है। यह लाखों लोगों को पीने के पानी के संकट से बचाने की योजना है। गंगा जल दक्षिण बिहार में भी पहुंचेगा, यह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से पहले किसी ने सोचा तक नहीं था। नीतीश ऐसे विरले नेता हैं, जो वर्तमान के साथ-साथ भविष्य की भी चिंता करते हैं। गंगाजल दक्षिण बिहार में राजगीर तक पहुंच चुका है, जुलाई में यह गया तक पहुंच जाएगा।

इसके पहले जल संसाधन विभाग द्वारा मंगलवार को जल-जीवन-हरियाली दिवस का आयोजन किया गया। इस मौके पर 'पेयजल संकट वाले क्षेत्रों के लिए गंगाजल आपूर्ति योजना' विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया।मंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के साथ सूखा और भीषण जल संकट के समाधान के लिए मुख्यमंत्री ने महत्वाकांक्षी जल-जीवन-हरियाली अभियान की शुरुआत की। इसकी चर्चा संयुक्त राष्ट्र तक में हो चुकी है और इसे दुनिया के लिए पथ-प्रदर्शक बताया गया है। बिहार दौरे पर आये बिल गेट्स ने भी पर्यावरण संरक्षण को लेकर मुख्यमंत्री के विजन और जल-जीवन-हरियाली कार्यक्रम की तारीफ की थी। जल संसाधन सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने कहा कि गंगा जल आपूर्ति योजना के तहत गंगा नदी का जल करीब 150 किलोमीटर की दूरी तय कर गया शहर पहुंचने वाला है। वन एवं पर्यावरण विभाग के प्रतिनिधि ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में 2.7 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। कार्यक्रम में इंजीनियर इन चीफ (हेडक्वार्टर) रवींद्र कुमार शंकर, इंजीनियर इन चीफ (सिंचाई सृजन) ईश्वर चंद्र ठाकुर, इंजीनियर इन चीफ (बाढ़ नियंत्रण एवं जल निस्सरण) शैलेंद्र के अलावा जल-जीवन-हरियाली मिशन, कृषि विभाग, नगर विकास विभाग, भवन निर्माण विभाग, लघु जल संसाधन विभाग, शिक्षा विभाग, पंचायती राज विभाग, सूचना एवं जनसंपर्क, राजस्व विभाग, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग और वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन के अधिकारी मौजूद थे।